तापमान
अधिकतम 43 .1 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार, 7 जून 2026

11 आईटीआई पोर्टल में बड़ी गड़बड़ी...

12 एक डॉक्टर के भरोसे 500 से अधिक ओपीडी, मरीज बेहाल

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था-तो अब इंतजार किस बात का

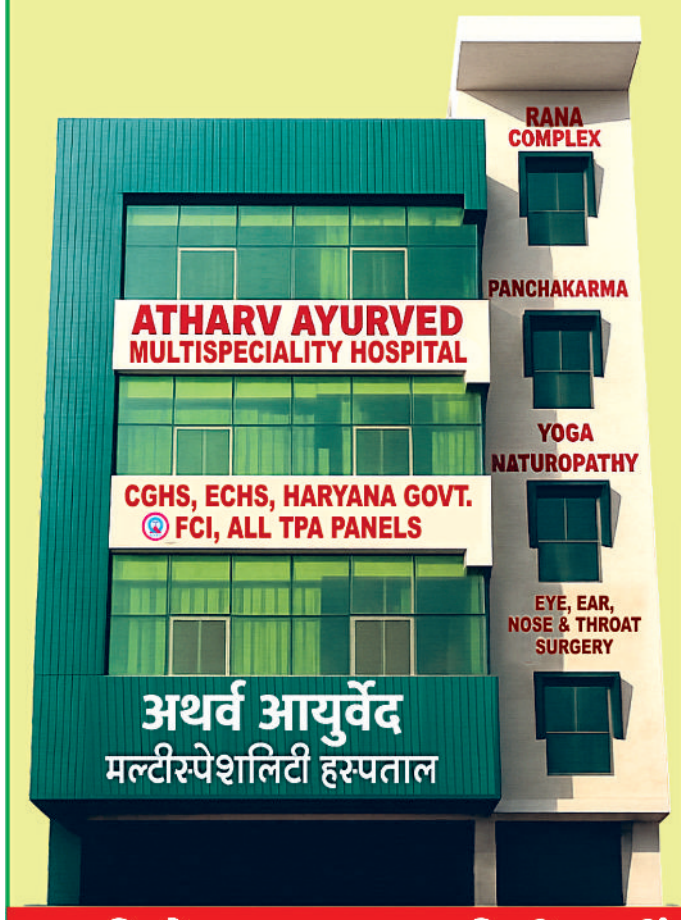

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.

सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Contact: 01262-257211
8053928881, 8053128881
Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें

बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक
स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।

पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

बिना चीर फाड़

Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो

हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में

आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं

*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain

जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क,
सरवाईकल, गठिया, लकवा,
नसों का फूलना/ कमजोरी
आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैथुरोपैथी

पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज

अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

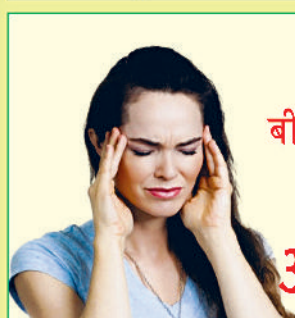

गुर्दे-शुगर-बी. पी.

बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस
की चिंता छोड़

अथर्व आयुर्वेद आएं

- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में अग्निकर्म, रक्तमोक्षण से तुरन्त आराम

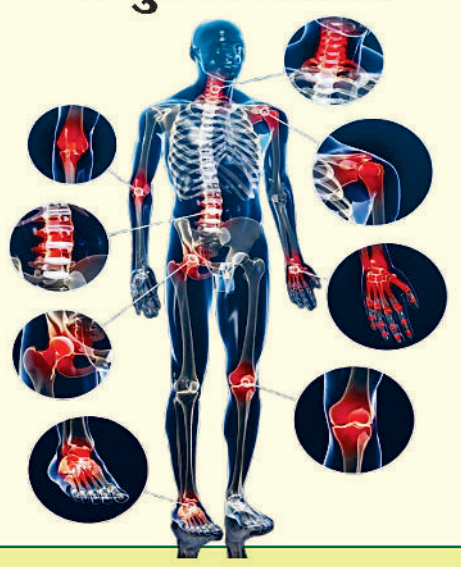

फिज़ीयोथैरेपी

आधुनिक मशीनों एवं
क्वाईपफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न,
जोड़ों, मांस-पेशियों
नसों की कमजोरी,
चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी,
स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर
प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी

से
बिना दवा ईलाज

शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें;
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर
प्रतिदिन मिलते हैं।

पंचायत समिति अध्यक्ष और जिला परिषद चेयरपर्सन ने की समीक्षा बैठक

आधा दिन कार्यालय और बाकी समय फील्ड में रहेंगे ग्राम सचिव

जनप्रतिनिधियों ने ग्राम सचिवों को कड़ी फटकार लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। बैठक को संबोधित करते जिला परिषद चेयरपर्सन

खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय खरखौदा में पंचायत समिति अध्यक्ष सितेंद्र दहिया और जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया की अध्यक्षता में ग्राम सचिवों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें में सीएम विंडो, समाधान शिविर और अन्य जन शिकायतों के निस्तारण में हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। बैठक के दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने ग्राम सचिवों को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से शिकायतें लंबित रहने के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया ने सभी ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में निर्धारित बैठक कक्ष में उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनें और कार्यालय संबंधी कार्यों का निपटान करें। इसके बाद दोपहर में फील्ड में जाकर विकास कार्यों और शिकायतों की निगरानी करें।

इस अवसर पर जिला पार्षद मंजीत भोला, पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष राजवीर दहिया, दिनेश ठेकेदार, सुनील पांचाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बैठक में कई ग्राम सचिव रहे अनुपस्थित

बैठक में यह भी सामने आया कि कई ग्राम सचिव कभी फील्ड में होने का तो कभी कार्यालय में होने का हवाला देकर उपलब्ध नहीं रहते थे, जिससे ग्रामीणों के कार्य प्रभावित हो रहे थे। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए स्पष्ट किया गया कि अब सभी ग्राम सचिव निर्धारित समय पर कार्यालय में बैठेंगे और उनकी उपस्थिति की नियमित निगरानी की जाएगी। बैठक में दर्जन भर ग्राम सचिव अनुपस्थित पाए गए। इस पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को अनुपस्थित ग्राम सचिवों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि आदेशों की अवहेलना करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गांव रोहणा में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

गांव रोहणा में हवन यज्ञ करके शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और शहीद स्मारक स्थलों पर पुष्प अर्पित किए गए। ज्ञात रहे कि 6 जून 1999 को रवीन्द्र सिंह दहिया शहीद हुए थे और 6 जून 2000 को पवनजीत सिंह दहिया शहीद हुए थे। हर वर्ष की तरह इस बार भी रक्तदान शिविर लगाया गया।

36 युवाओं ने किया रक्तदान: एआईएमएस बाड़सा, झज्जर से टीम ने रक्त एकत्रित किया। इस दौरान 36 यूनिट रक्तदान किया गया। इसके अलावा राहगीरों को पानी पिलाने के लिए छबील लगाई गई। इस मौके पर सूबेदार बलजीत सिंह, सूबेदार वीरेंद्र सिंह, विकेश दहिया, जोगिंद्र, स्वदेश, नीटू, हवलदार दिनेश दहिया, संदीप, सत्त, भोला आदि मौजूद रहे।

खरखौदा। शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे ग्रामवासी।

6 जून 1999 को रवीन्द्र सिंह दहिया और 6 जून 2000 को पवनजीत सिंह दहिया हो गए थे शहीद

बेसिक पेंशन में 5, 10 और 15 प्रतिशत वृद्धि की मांग

गोहाना। आल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र धनखड़ ने कहा कि राज्य सरकार सेवानिवृत्त कर्मियों की मांगों की तरफ ध्यान नहीं दे रही है। विपक्ष भी उनकी आवाज को नहीं उठा रहा है। धनखड़ महम रोड पर स्थित बिजलीघर में सेवानिवृत्त कर्मियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 65,70 व 75 वर्ष की आयु में बेसिक पेंशन में पांच, 10 व15 प्रतिशत की वृद्धि की जाए।

कैशलेस मेडिकल सुविधा भी मांगी: राज्य के सेवानिवृत्त कर्मियों को केंद्र सरकार की तर्ज पर कैशलेस मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए और हर महीने 80 यूनिट बिजली फ्री दिए जाएं। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन नीति बहाल की जाए। बैठक में वरिष्ठ नेता जलकरण बल्हारा और चतर सिंह के साथ पहुंचे। संचालन यूनिट अध्यक्ष राम निवास दूहन ने किया। कार्यक्रम में महेंद्र फ्राड, महेंद्र लठवाल, सत्यदेव खर्ब, रघुबीर कुंडू, जय सिंह रहे।

गोहाना। लंबित मांगें पूरी करने की मांग करते हुए रिटायर्ड कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जेल का औचक निरीक्षण किया, जांची सुविधाएं

सोनीपत। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगजीत सिंह तथा मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनीपत प्रचेता सिंह ने शुक्रवार को जिला कारागार, सोनीपत का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने जेल में बंद बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और कल्याण से जुड़े विषयों की जानकारी ली। अधिकारियों ने बंदियों से आवास, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं के बारे में चर्चा की। जगजीत सिंह ने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि बंदियों को निर्धारित मानकों के अनुसार सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनकी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। प्रचेता सिंह ने बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर, बैरकों, रसोईघर, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं तथा विभिन्न अभिलेखों की भी जांच की गई। अधिकारियों ने बंदियों के स्वास्थ्य, कल्याण और विधिक सहायता संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मारुति सुजुकी ने शुरू किया एक लाख पौधे लगाने का अभियान

कंपनी के कर्मचारियों को 500 जूट बैग वितरित किए गए

खरखौदा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) सोनीपत के सहयोग से आईएमटी खरखौदा स्थित अपनी उत्पादन इकाई में इस मानसून स्तर के दौरान एक लाख पौधारोपण करने के उद्देश्य से पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। कंपनी द्वारा मियावाकी वनीकरण तकनीक का उपयोग करते हुए लगभग 5 एकड़ भूमि पर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों तथा मारुति सुजुकी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लेते हुए पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। क्षेत्रीय अधिकारी अजय सिंह ने कहा कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। आईएमटी खरखौदा प्लांट के प्लांट हेड आशीष मिश्रा ने बताया कि मारुति सुजुकी द्वारा खरखौदा प्लांट परिसर में लगभग 58 एकड़ क्षेत्र में चार बड़े जलाशय विकसित किए जा रहे हैं। कर्मचारियों के बीच लगभग 500 जूट बैग वितरित किए गए तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने का संदेश दिया गया।

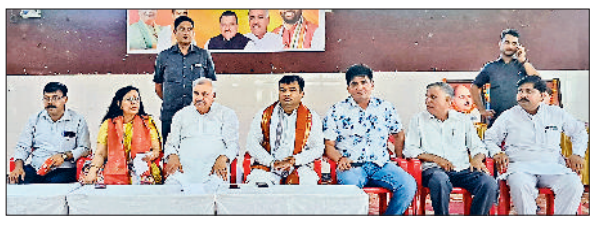

घर-घर जाकर पात्र युवाओं के वोट बनवाने का काम करें कार्यकर्ता : रणधीर पनिहार

गोहाना। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा ने बरोदा हलके के बीएलए-1, बीएलए-2 और बूथ अध्यक्षों की बैठक आयोजित की। शहर के सेक्टर-7 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित बैठक में नलवा से भाजपा विधायक रणधीर पनिहार मुख्य अतिथि और भाजपा जिला गोहाना प्रभारी डॉ. किरण कलकल विशिष्ट अतिथि रहीं। अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की। विधायक रणधीर पनिहार ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पात्र युवाओं के वोट बनवाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए बीएलए-2 की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता संगठनात्मक कार्यक्रमों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लें। जिला प्रभारी डॉ. किरण कलकल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में जिला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना, जितेंद्र शर्मा, राजेश भावड़, अशोक सैन, सूरत सिंह, सरपंच इंद्रपाल, सरपंच पवन शर्मा, डॉ. राममेहर राठी आदि मौजूद रहे।

घल्लूघारा दिवस पंजाब और सिख इतिहास का गहरा दर्द : डॉ. सुरेश

गोहाना। पुराना बस अड्डा स्थित सत नगर के सचखंड गुरुद्वारा में शुक्रवार को घल्लूघारा दिवस मनाया गया। सुखमणि सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी का रहा। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के निदेशक डॉ. सुरेश सेतिया ने कहा घल्लूघारा मतलब कत्लेआम या महाविनाश दिवस पंजाब और सिख इतिहास का एक गहरा दर्द और गर्व दोनों का प्रतीक है। छोटा घल्लूघारा 1740 में लाहौर के गवर्नर याहीया खान ने सिखों का कत्लेआम किया। बड़ा घल्लूघारा 1765 में अहमद शाह अब्दाली ने पंजाब में 25000 सिखों को मार कर किया और तीसरा घल्लूघारा 6 जून 1984 को ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान श्री हरमंदिर साहिब और अकाल तख्त पर किए गए हमले की याद में मनाया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष मंजू सचदेवा ने की। उन्होंने कहा यह दिन सिखों के हौसले और कुर्बानी याद दिलाता है। घल्लूघारों के बाद सिखों ने अपनी जतथेबंदी मजबूत की ओर दल खालसा के तहत एकजुट हुए इस घटना ने सिख कौम को संगठित होकर अपने हक के लिए लडने की प्रेरणा दी। इस मौके पर समाजसेवी हर भगवान चोपड़ा, सुषमा सेतिया, उधम सिंह, मनोज कुमार, बिजेंदर सैनी, तनु, रेशु व संगीता उपस्थित रहे।

नालों की करवाई सफाई, गढ़ी ब्राह्मणान में वितरित की रेहड़ी

सोनीपत। निगम क्षेत्र को स्वच्छ सुंदर एवं स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से हर शनिवार नगर निगम मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में चलने वाले स्वच्छता अभियान के तहत बहालगढ़ चौक से लिबासपुर तक नालों की सफाई करवाई गई। नालों की सफाई के दौरान आने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए नालों पर ढकी स्लैब को भी जेसीबी से उखड़वा दिया गया। मेयर जैन ने गढ़ी ब्राह्मणान में तंग गलियों से घर घर कूड़ा उठाने के लिए स्वच्छता मित्रों को 50 हाथ रेहड़ी वितरित की और गढ़ी ब्राह्मणान में सफाई अभियान भी चलाया। मौके पर सीवरेज जाम से सम्बंधित शिकायतों को भी दूर करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ओमराम सैनी, अरुण लाकड़ा, अशोक ठेकेदार, अनिल ढुल, बलवान कश्यप, शमशेर जोगी, बलवान चौहान, सोनू, धर्मबीर सैनी, जिले सिंह चौहान, बंटी खत्री, उमेद खत्री, सुनील राजपूत आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में पार्षदों के दल ने जेबीएम कम्पनी द्वारा मुरथल में संचालित कूड़े से बिजली बनाने वाले संयंत्र का दौरा किया और संयंत्र की पूरी प्रक्रिया देखने के बाद घर घर से कूड़ा उठाने की प्रक्रिया सही ढंग से संचालित करने की मांग की। दल में पार्षद मुकेश कुमार, सुरेंद्र, त्रिभुवन, निशा मोनू, मुनिराम, मीणा रामनिवास, संजय, संगीता देवेंद्र सैनी, किरण राजेंद्र, संजीव, अनुराग जैन, सुनीता कालूपुर, सुनीता ब्रह्मप्रकाश राठी, राजेश मलिक, राजकुमार शर्मा, दीपमाला संजय बड़वासनी एवं कम्पनी के अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस : पौधरोपण और चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित माई भारत के अन्तर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) खरखौदा में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकीय आईटीआई, खरखौदा के प्राचार्य संदीप अहलावत रहे। उन्होंने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर जन-जन की जिम्मेदारी बनना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माई भारत सोनीपत की उपनिदेशक रीतू रानी ने की। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना तथा उनकी नियमित देखभाल करना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर पर्यावरण विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन लोकेन्द्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुस्तकालय अध्यक्ष सविता, पूनम, शमशेर, राकेश तथा मेजबान आईटीआई स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

गोशाला व मंदिर मार्ग पर भरे गंदे पानी से श्रद्धालु परेशान

गन्नौर। गढ़ी केसरी स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला मंदिर कालोनी की गली में पिछले करीब एक माह से नाले का गंदा पानी भरा होने के कारण श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव और कीचड़ के चलते गोशाला व मंदिर तक पहुंचने वाला मार्ग बाधित हो गया है, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंदिर और गोशाला में आने वाले श्रद्धालुओं को गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को झेलनी पड़ रही है। लोगों का आरोप है कि समस्या के समाधान के लिए कई बार नगर पालिका और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। गोशाला समिति के अध्यक्ष सतपाल शर्मा का कहना है कि दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर मामले से पल्ला झाड़ रहे हैं। जनस्वास्थ्य विभाग नगर पालिका को जिम्मेदार बता रहा है, जबकि नगर पालिका की ओर से जनस्वास्थ्य विभाग पर जिम्मेदारी डाली जा रही है। इससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द समाधान नहीं करता तो वे स्वयं निर्माण कार्य शुरू कर मार्ग को दुरुस्त करने का प्रयास करेंगे।

समस्याओं के समाधान के लिए विधायक-मेयर को सुझाव पत्र भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

वार्ड-16 में पानी-बिजली समस्या के समाधान को लेकर प्रहलाद गोयल ने दिए सुझाव

शिव सेवा समिति के संस्थापक महासचिव एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रहलाद गोयल ने वार्ड-16 सहित लाइन पार क्षेत्र में पेयजल और बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन को सुझाव पत्र भेजा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नियमित पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है तथा कई-कई घंटे बिजली गुल रहने और बार-बार कट लगने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायतों के लिए बनाएं ग्रुप

प्रहलाद गोयल ने पत्र में कहा कि वार्ड 15, 16, 17 और 18 के लिए बनाए गए एक व्हाट्सएप ग्रुप में केवल पानी आने की सूचना दी जाती है, जबकि नागरिक अपनी शिकायत या सुझाव दर्ज नहीं कर सकते। इससे संबंधित विभागों को वास्तविक समस्याओं की जानकारी नहीं मिल पाती। उन्होंने याद दिलाया कि अग्रवाल धर्मशाला में हुई बैठक में पानी, बिजली और सफाई विभागों के वार्डवार व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्णय लिया गया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया। गोयल ने मांग की कि विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता से ऐसे ग्रुप बनाए जाएं, जहां नागरिक सीधे शिकायत और सुझाव दे सकें।

उनका कहना है कि इससे समस्याओं के समाधान में पारदर्शिता आएगी और जनप्रतिनिधियों को भी क्षेत्र की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सकेगी।

शिक्षकों की लंबित मांगों को लेकर 9 जून को शिक्षा सदन पर होगा प्रदर्शन

सोनीपत। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने शिक्षकों की लंबित मांगों और अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण को लेकर 9 जून को शिक्षा सदन, पंचकूला में प्रस्तावित मास डेपुटेशन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों की भागीदारी का आह्वान किया है। संघ के जिला प्रधान नरेंद्र चहल, राज्य सचिव जोगिंदर सिंह, जिला सचिव दिनेश छिक्कारा, जिला कैशियर रोहतास गंगाना और जिला ऑडिटर कुलदीप सिंह ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। नेताओं ने बताया कि प्रमुख मांगों में 2014 की नीति के तहत अतिथि अध्यापकों का नियमितीकरण, पुरानी पेंशन बहाली, खाली पदों पर नियमित भर्ती, शिक्षकों के तबादले, पदोन्नति सूचियां जारी करना तथा विभिन्न श्रेणी के शिक्षकों और कर्मचारियों को नियमित करना शामिल है। इसके अलावा गैर-शैक्षणिक कार्यों पर रोक, समय पर बजट जारी करने, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार और शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य लंबित मामलों के समाधान की भी मांग की गई है। संघ नेताओं ने कहा कि यदि सरकार और शिक्षा विभाग ने समय रहते मांगों का समाधान नहीं किया तो 9 जून के प्रदर्शन के दौरान आगामी आंदोलन की घोषणा की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इसकी जिम्मेदारी सरकार और विभाग की होगी।

- अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण समेत कई मुद्दों पर सरकार से समाधान की मांग

कई दिनों से चल रहा किसानों का धरना समाप्त

33 गांवों को मिलेगा लाभ, नहर के जीर्णोद्धार का रास्ता साफ

- तल दोनों तरफ से 10-10 फीट तक कंक्रीट से बनेगा, बीच का हिस्सा रहेगा पहले की स्थिति में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करते हुए मंत्री डा. अरविंद शर्मा।

भालौठ सब ब्रांच नहर के जीर्णोद्धार को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा किसानों का धरना समाप्त हो गया। सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा की पहल पर किसानों और सिंचाई विभाग के बीच सहमति बनने के बाद विवाद का समाधान निकला। लगभग 25 किलोमीटर लंबी नहर के जीर्णोद्धार कार्य का रास्ता साफ हो गया है, जिसका क्षेत्र के 33 गांवों के किसानों लाभ को मिलेगा।

शहर में सोनीपत रोड स्थित सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में धरनारत किसानों के प्रतिनिधिमंडल और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा भी पहुंचे। बैठक में किसानों की आपत्तियों और मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। दोनों पक्षों में सहमति के अनुसार नहर के दोनों किनारों की लाइनिंग कंक्रीट से पक्की की जाएगी, जबकि नहर के तल को दोनों तरफ से 10-10 फीट तक कंक्रीट से मजबूत बनाया जाएगा। बीच के हिस्से में सीसी ब्लाक लगाए जाएंगे ताकि भूजल का प्राकृतिक रिचार्ज भी जारी रह सके। जिन स्थानों पर पहले से लगे सीसी ब्लाक क्षतिग्रस्त हैं, केवल उन्हीं को बदला जाएगा। मंत्री ने कहा कि किसानों के हितों और क्षेत्र की सिंचाई जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह रास्ता निकाला गया। उन्होंने इस मामले के समाधान में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के सहयोग की सराहना की। निर्माण कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए किसानों की निगरानी समिति भी गठित की जाएगी।

पुरुषोत्तम मास में दीप दान, कीर्तन, नाम जप, पवित्र स्नान का अधिक महत्व

सोनीपत। इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से पुरुषोत्तम मास के अवसर पर शनिवार को शहर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी गुड़ मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला श्रीराम मंदिर से तुलसी पूजन के साथ प्रारंभ की गई। इसके बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हरिनाम संकीर्तन से प्रभु गुणगान किया गया। साथ ही मार्ग में अमित बंसल, नरेंद्र बंसल के निवास पर दीपदान किया गया। रघु कुमार दास ने दीपदान की महिमा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पुरुषोत्तम मास में भगवान को दीप दान करने, प्रभु कीर्तन, नाम जप व पवित्र नदियों में स्नान कर दान करने से कई गुणा पुण्य की प्राप्ति होती है। भागवत तत्व दास ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में जो मनुष्य भक्तों की निंदा करते हैं, किसी की चुगली या अपराध करते हैं, उसका दंड भी कई गुणा ज्यादा मिलता है। पुरुषोत्तम मास भगवान श्रीहरि का प्रिय मास है। उन्होंने इस मास को अपना नाम दिया है। भगवान का एक नाम पुरुषोत्तम भी है।

नपा अध्यक्ष ने जेबीएम वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का किया निरीक्षण

गन्नौर। नपा अध्यक्ष अरुण त्यागी ने शनिवार को पार्षदों के साथ मुरथल स्थित जेबीएम वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट में कूड़े के निस्तारण और उससे बिजली उत्पादन की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। नपाध्यक्ष अरुण त्यागी ने बताया कि मुरथल स्थित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट में प्रतिदिन करीब 750 टन कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जा रहा है।

सूचना

मैं, बाबूराम पुत्र श्री कैशोराम निवासी गांव नांगल कलां, तहसील राई, जिला सोनीपत बयान करता हूं कि मेरे पुत्र धर्मेन्द्र व पुत्रवधु निशु तथा दूसरा पुत्र मनोज व धर्मपत्नी विशु मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

तापमान
अधिकतम 43 .1 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार 7 जून 2026

शिक्षकों को विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए किया प्रेरित

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत में शुक्रवार को 'मूल्य शिक्षा' विषय पर एक दिवसीय सीबीपी (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों को जोड़ने की प्रभावी विधियों से अवगत कराना था। कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति नरेंद्र कुमार और मनीषा कालरा ने अपने अनुभवों और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मूल्य शिक्षा को अलग-अलग विषयों की पढ़ाई में शामिल कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है।

जिले के 13 संस्थानों में 3000 से अधिक सीटें, विद्यार्थी असमंजस में

कैसे मिलेगा एडमिशन: आईटीआई पोर्टल में बड़ी गड़बड़ी, 31 में से 7 ट्रेड गायब

निदेशालय को शिकायत भेजी, पंजीकरण की तिथि बढ़ाने के बावजूद प्रक्रिया धीमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में दाखिले को लेकर 2 जून दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन विभिन्न ट्रेड (कोर्स) में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों में अब तक असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसका सीधा कारण पोर्टल पर ट्रेड ऑप्शन बंद माना जा रहा है। ऐसे में दाखिले के लिए पंजीकरण करवाने पहुंच रहे विद्यार्थियों को पोर्टल पर ट्रेड ऑप्शन नजर नहीं आने से वह अपने मनपसंद ट्रेड में दाखिला लेने से वंचित हैं। उधर पंजीकरण के निर्धारित वक्त की घड़ियां बीतती जा रही हैं। आईटीआई प्रबंधन ने उक्त समस्या का समाधान करवाने के लिए कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय को शिकायत भेजी है। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय ने मंगलवार से दाखिला प्रक्रिया के लिए पोर्टल ओपन करते हुए सीटों का विवरण जारी किया था। युवाओं को रोजगारपरक एवं तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न तकनीकी एवं गैर तकनीकी ट्रेड में दाखिले पाने के लिए 15 जून तक ऑनलाइन पंजीकरण करवाने का समय निर्धारित किया गया है। बता दें कि जिले में करीब 13 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन पोर्टल पर निर्धारित 31 विभिन्न ट्रेड में से स्टैनो अंग्रेजी जैसे 7 ट्रेड का विवरण नजर ही नहीं आ रहा है। इससे विद्यार्थियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं इस बार आईटीआई के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले में विद्यार्थियों के लिए 3000 से अधिक सीटें निर्धारित की गई हैं।

15 जून तक आवेदन का मौका

सोनीपत। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दाखिले के लिए हेल्प डेस्क पर ऑनलाइन पंजीकरण करवाते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

पीपीपी आईडी के बिना नहीं होगा पंजीकरण

निदेशालय की हिदायत अनुसार आईटीआई संस्थानों में दाखिला पाने वाले विद्यार्थियों के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है। इसके अलावा इच्छुक विद्यार्थियों को आवेदन के समय आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज, जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक सहित अन्य दस्तावेज पेश करने होंगे। इनकी स्केन प्रतियां दाखिला फार्म के साथ अपलोड करनी होंगी। अन्यथा दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए आईटीआई संस्थानों में हेल्प डेस्क की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

सोनीपत आईटीआई के विभिन्न ट्रेड में निर्धारित सीटें

कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट में 48, ड्राफ्ट्समैन (सिविल) में 24, ड्राफ्ट्समैन (मैकेनिकल) में 40, ड्रैस मेकिंग में 20, इलेक्ट्रीशियन में 60, इलेक्ट्रोनिक्स मैकेनिक में 48, फिटर में 40, जीओ इंफोमेटिक असिस्टेंट में 24, ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन तकनीशियन में 20, लिफ्ट एंड एक्सीलेटर मशीन मैकेनिक 24, लिटो ऑफसेट मशीन माइंडर में 40, मैकेनिस्ट में 40, मोटर व्हीकल मैकेनिक 48, मैकेनिक डीजल ड्यूल 48, पेंटर जनरल 20, प्लास्टिक प्रोसेसिंग ऑपरेटर 40, प्लंबर 24, प्लंबर ड्यूल 24, रेफ्रिजरेटर एंड एयर कंडिशनिंग तकनीशियन 48, शीट मेटल वर्कर ड्यूल 40, स्टैनोग्राफर एंड सेक्रेटेरियल असिस्टेंट 24, टर्नर 40, वेल्डर ड्यूल 20, वायरमैन 40, सहित कुल 24 ट्रेड में 844 सीटों का विवरण पोर्टल पर प्रदर्शित है, जबकि 7 ट्रेड व सीटें पोर्टल पर नजर नहीं आ रहे हैं।

50 फीसदी सीटों पर अभी तक नहीं हुए दाखिले

उच्चतर शिक्षा निदेशालय की ओर से महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में दाखिले के लिए जहां विद्यार्थियों को पंजीकरण के लिए समय सीमा बढ़ाकर राहत दी गई है, वहीं विद्यार्थियों इस दूसरे अवसर का लाभ उठाने के लिए भी सतर्क नजर नहीं आ रहे हैं। फिलहाल महाविद्यालय में पंजीकरण की गाड़ी धीमी चलती ही नजर आ रही है। यही कारण है कि अधिकतर महाविद्यालय यूजी कोर्स की 50 प्रतिशत सीटों पर दाखिला पक्का नहीं कर पाए हैं। हालांकि विद्यार्थी 15 जून तक पंजीकरण करवाकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं। । बता दें कि पहले निदेशालय ने जारी शेड्यूल में 31 मई तक ही पंजीकरण करवाने की तिथि निर्धारित की थी, लेकिन अधिकतर महाविद्यालय 50 प्रतिशत सीटों पर भी पंजीकरण पूरा नहीं होने से तिथि में बदलाव किया गया है।

कल तक हो सकता है समस्या का समाधान

आईटीआई में दाखिले के लिए पोर्टल सुचारू रूप से चल रहा है, लेकिन इस बार कुछ ट्रेड ऐसे हैं, तो जिनका पोर्टल पर विवरण नजर नहीं आ रहे हैं। इस बारे में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय सूचित कर दिया गया है। उम्मीद है कि 8 जून सोमवार तक समस्या का निदान हो सकता है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। विद्यार्थी 15 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

-विक्रम सिंह, प्रधानाचार्य, आईटीआई, सोनीपत

15 जून तक ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया जारी

महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर 15 जून तक ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। इच्छुक विद्यार्थी 15 जून तक पंजीकरण करवाकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं। विद्यार्थियों की काउंसलिंग व सहायता के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। दाखिले को लेकर विद्यार्थियों में फिलहाल खास रूचि नजर नहीं आ रही है। प्रबंधन का प्रयास है कि जल्द निर्धारित सीटों पर पंजीकरण का कार्य पूरा किया जाएगा।

-डॉ. सीमा गर्ग, प्राचार्या, हिंदू कालेज, सोनीपत

भाजपा किसान मोर्चा ने शुरू किया पौधरोपण अभियान, पौधों के संरक्षण का भी आह्वान

गन्नौर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष आशीष त्यागी ने पौधा लगाकर की। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। आशीष त्यागी ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए हर व्यक्ति को पौधारोपण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

South Point
GROUP OF EDUCATION
(DELHI-NCR) SONEPAT
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
ADMISSIONS OPEN
SOUTH POINT INST. OF TECH. & MANAGEMENT
B.Tech / LEET (CSE, ECE, MECHANICAL, CIVIL)
Diploma / LEET (CSE, ECE, ELECT., MECH. CIVIL)
BBA, BCA
SOUTH POINT COLLEGE OF LAW
B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM
SOUTH POINT DEGREE COLLEGE
B.A., B.Sc. (Medical/Non-Med.) B.Com
SOUTH POINT COLLEGE OF PHARMACY
D.Pharm, B. Pharm / LEET, DMLT
SOUTH POINT COLLEGE OF NURSING
B.Sc. (Nursing)
SUNDAY OPEN
www.southpoint.net.in
DILBAG S. KHATRI
Chairman

मोबाइल ठीक करवाने कंपनी से निकला युवक नहीं लौटा वापस, गुमशुदगी का मामला दर्ज

खरखौदा। फिरोजपुर बांगर स्थित यूनिवर्सल कंपनी में कार्यरत एक युवक मोबाइल ठीक कराने के लिए कंपनी से निकला और वापस नहीं लौटा। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिहार के अररिया जिले के रहने वाले चंदन कुमार ऋषिदेव ने बताया कि उसका साला नीरज कुमार ऋषिदेव पिछले करीब सात महीने से उसके साथ यूनिवर्सल कंपनी में नौकरी कर रहा था। 26 मई को दोपहर करीब 12 बजे नीरज कंपनी मालिक से तीन हजार रुपये लेकर मोबाइल रिपेयर कराने की बात कहकर कंपनी से बाहर गया था। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजन और कंपनी प्रबंधन ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की। आसपास की मोबाइल दुकानों पर भी पूछताछ की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। चंदन कुमार ने आशंका जताई है कि किसी ने अपने फायदे के लिए नीरज को कहीं छिपा रखा है या फिर उसने स्वयं को कहीं छिपा लिया है। लापता युवक के दाहिने हाथ पर त्रिशूल का टैटू बना हुआ है। सैदपुर पुलिस चौकी ने शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

5 माह से लीक पेयजल पाइपलाइन बनी परेशानी, अधिकारी नहीं ले रहे संज्ञान

गन्नौर। बसंत विहार कालोनी निरंकारी सत्संग भवन वाली गली में पिछले करीब पांच महीनों से पेयजल आपूर्ति की पाइपलाइन लीक होने के कारण स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रहे रिसाव से पानी गली में भरकर दुकानों और घरों तक पहुंच रहा है, जिससे व्यापारियों और निवासियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी अतर सिंह, ओम सिंह और नीटू ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग पांच महीने पहले लीकेज की समस्या को ठीक करने के लिए नई पाइपलाइन दबाने का काम शुरू किया गया था। नई पाइपलाइन दबाने के बाद लीकेज की समस्या को ज्यों का त्यों छोड़ दिया और गली को भी दोबारा रिपेयर नहीं किया गया। ऐसे में पानी की सप्लाई होने पर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन से लगातार पानी बहता है और गली में कीचड़, नमी और बदबू का माहौल बना हुआ है। ऐसे में गली में आवाजाही प्रभावित हो रही है। लोगों का आरोप है कि समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी यह कह कर पल्ला झाड़ देते हैं कि उन्होंने पुरानी पेयजल सप्लाई की लाइन को बंद कर दिया है, जबकि पानी की सप्लाई शुरू होते ही यहां पानी भरने लगता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कर स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

Tika Ram Education Society (Regd.) Sonipat
(An applaudable name in educational orbit)
Ch. Chhotu Ram
Ch. Tika Ram
CHHOTU RAM ARYA COLLEGE
Affiliated to Maharshi Dayanand University Rohtak
(A Co-Educational Institute)
KAKROI ROAD, SONIPAT
Estd. 1951
Email : crasonepat@gmail.com, Website : www.cracollegesonepat.org
REGISTRATION FACILITY Available in College
Accredited with B+ Grade by NAAC
NCC/NSS ALSO AVAILABLE
ADMISSIONS OPEN 2026-27
Registration link : https//admissions.highereduhry.ac.in/
COURSES OFFERED
Under Graduate Programmes
• B.A. (Multidisciplinary)
• B.A. with Major in Political Science
• B.Com.
• B.Sc. (Life Sciences)
• B.Sc. (Physical Sciences)
• B.Sc. (Computer Science)
Post Graduate Programmes
• M.A. English • M.Sc. Mathematics
• M.A. Pol. Sc. • M.Sc. Chemistry
• M.A. Hindi • M.Sc. Physics
• M.A. Geography • M.Com.
For Details & Queries Contact
Dr. Urmila Hooda (Nodal Officer) +91-94683-74027
Dr. Tamanna +91-82782-03132
Mr. Naveen +91-87082-81899
Features & Facilities
• Highly Qualified & Experienced Faculty
• Wi-Fi Campus • Well Equipped Laboratories
• Industrial Visits • Excellent Results
• Placements Offered • Sports (Indoor & Outdoor)
• Bus/Railway pass Facility
• Scholarship for SC/ST Students
• Fee Concession for Meritorious Students, State, National & International Players and Parentless Students
Sh. Surinder Singh Dahiya
President
Tika Ram Education Society (Regd.) Sonipat
Sh. Bhupender Singh Dahiya
General Secretary
Tika Ram Education Society (Regd.) Sonipat

THE VEDIC ERA
PROGRESSIVE SCHOOL
RATANGARH, SONIPAT
AFFILIATED TO CBSE, NEW DELHI
REQUIRES
Well-qualified, smart, dedicated, convent-educated, experienced teachers
PGT • English — Salary: Rs. 65,000/-
TGT • English & Social Science • Mathematics & Science — Salary: Rs. 55,000/-
TGT • Hindi & Sanskrit — Salary: Rs. 50,000/-
• Mother Teachers • NTTs — Salary: Rs. 40,000/-
• School Counsellor • Career Counsellor — Salary: Rs. 45,000/-
• PTIs • Art and Craft Teachers — Salary: Rs. 45,000/-
EMOLUMENTS NO BAR FOR EXPERIENCED AND REALLY DESERVING CANDIDATES
It is compulsory for the candidates to be fluent in speaking English language
Kindly submit your Resume (with your latest coloured passport size photograph) at the School Reception within 5 days (on any working day between 10.00 am and 1.00 pm) or e-mail your Resume to:
thevediceraschool@gmail.com

विधायक ने विश्वकर्मा मंदिर एवं धर्मशाला में हॉल निर्माण के लिए सौंपा 11 लाख का चेक

गन्नौर। शहर में रेलवे रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर एवं धर्मशाला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र कादियान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर विधायक ने मंदिर के विकास कार्यों को लेकर कमेटी को 11 लाख रुपये की सहयोग राशि का चेक सौंपा। यह राशि मंदिर परिसर में बनने वाले नए हाल के निर्माण पर खर्च की जाएगी। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि धार्मिक स्थल समाज को एकता और संस्कारों की डोर में बांधने का कार्य करते है। ऐसे स्थानों का विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को भी हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। कार्यक्रम समापन पर विधायक को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पार्षद दिनेश अदलखा, राकेश पांचाल, जोगेंद्र धीमान, विनोद जांगड़ा, रामेहर जांगड़ा, हरिओम पांचाल आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

इंस्टाग्राम पर हथियारों सहित फोटो डालने पर केस

गोहाना। गांव गंगाना के युवक द्वारा इंटरनेट मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन किया गया। इसको लेकर हांसी के कौंथ गांव के जसबीर ने पुलिस को शिकायत दी। जसबीर का आरोप है कि गंगाना गांव के योगेंद्र द्वारा अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर हथियारों सहित अपने व अन्य के फोटो प्रसारित किए हैं। इसको एसीपी देवेंद्र सिंह द्वारा जांच कराई गई। जांच के बाद केस दर्ज किया गया।

तार चोरी के आरोप में एक काबू, दो फरार

गोहाना। गांव गामड़ी और आसपास के ग्रामीणों के खेतों से बार-बार बिजली के तार चोरी किए जा रहे हैं। इस बार ग्रामीणों ने एक युवक को दबोच लिया और दो फरार हो गए। ग्रामीणों ने आरोपित को पुलिस को सौंप दिया और सदर थाना में केस दर्ज किया गया।

गांव गामड़ी के कुलदीप के खेत में लगे सोलर पंप के तार एक जनवरी 2026 को चोर किए गए थे, जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। इसके बाद एक जून को दोबारा तार चोरी कर लिए गए। कुलदीप का कहना है कि उनके अलावा रणवीर, श्रीभगवान, सचिन, अनिल, संदीप, सुखवीर और जय सिंह समेत कई किसानों के खेतों से भी तार और बिजली उपकरण चोरी हो चुके हैं। कुलदीप के अनुसार शुक्रवार को तीन युवक बाइक पर खेतों में पहुंचे और तार काटकर ले जाने का प्रयास कर रहे थे। लोगों को देखकर दो युवक बाइक लेकर फरार हो गए, जबकि एक युवक पैदल भागने लगा। ग्रामीणों ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान गांव गढ़ी के अनुज के रूप में बताई। उसके चोरी किए गए तार भी बरामद हुए। ग्रामीणों ने आरोपित को पुलिस के हवाले कर दिया।

अवैध पिस्तौल व कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

गन्नौर। क्राइम यूनिट गन्नौर टीम ने बड़ी औद्योगिक क्षेत्र से एक युवक को अवैध पिस्तौल व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू कर लिया। आरोपित प्रिंस गांव रिसालू, जिला पानीपत का रहने वाला है। क्राइम यूनिट टीम पिस्तौल व कारतूस को कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ थाना बड़ी में केस दर्ज करवा कर आरोपित से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध काम करने वालों लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

डॉ. सीमा के स्थानांतरण के बाद बढ़ा दबाव, फिजिशियन कक्ष-7 में मरीज परेशान

कक्ष-8 में तीन फिजिशियन तैनात, फिर भी कक्ष-7 में उमड़ रही मरीजों की भीड़

एक डॉक्टर के भरोसे 500 से अधिक ओपीडी, मरीज बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नागरिक अस्पताल में गर्मी के कारण बुखार, दस्त और डिहाइड्रेशन से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी बीच फिजिशियन डॉ. सीमा सिंह की ड्यूटी सशक्त नारी, स्वस्थ परिवार योजना के तहत कक्ष संख्या-48 में लगाए जाने के बाद फिजिशियन कक्ष संख्या-7 पर मरीजों का दबाव बढ़ गया है। वर्तमान में यहां एक ही चिकित्सक के भरोसे प्रतिदिन 500 से अधिक ओपीडी संचालित हो रही है, जिससे मरीजों को घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है।

हरिभूमि सरोकार

नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन करीब दो हजार मरीज विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पहुंचते हैं। इन दिनों सबसे अधिक भीड़ फिजिशियन ओपीडी में देखने को मिल रही है। शनिवार को कक्ष संख्या-7 के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं। मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। पहले इस कक्ष में दो चिकित्सक मरीजों की जांच करते थे, लेकिन अब यहां केवल एक चिकित्सक सेवाएं दे रहा है। अस्पताल के कक्ष संख्या-8 में तीन फिजिशियन चिकित्सक तैनात हैं, लेकिन अधिकांश मरीज कक्ष संख्या-7 में ही पहुंच रहे हैं।

मरीजों का कहना है कि कक्ष संख्या-7 में नियमित रूप से चिकित्सक उपलब्ध रहते हैं, जबकि कक्ष संख्या-8 में कई बार ओपीडी जल्दी समाप्त हो जाती है या चिकित्सक सीट पर नहीं मिलते। इसी कारण मरीज कक्ष संख्या-7 को प्राथमिकता देते हैं।मरीज यतेंद्र ने बताया कि वह अपनी बेटी के इलाज के लिए सुबह अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन अत्यधिक भीड़ के कारण उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। वहीं मरीज सुनीता और राजेश ने भी बताया कि एक ही चिकित्सक पर अधिक भार होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में ओपीडी कक्ष संख्या 7 के बाहर मरीजों की भीड़।

तीन चरणों की प्रक्रिया से बढ़ रही परेशानी

मरीजों का कहना है कि अस्पताल में पहले पंजीकरण, फिर जांच और उसके बाद चिकित्सकीय परामर्श के लिए अलग-अलग कतारों से गुजरना पड़ता है। इस प्रक्रिया में कई बार आधा दिन अस्पताल में ही निकल जाता है। मरीजों ने मांग की है कि बढ़ती ओपीडी को देखते हुए कक्ष संख्या-7 में अतिरिक्त चिकित्सक की तैनाती की जाए, ताकि लोगों को समय पर उपचार मिल सके।

अतिरिक्त चिकित्सकों को किया तैनात

स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार डॉ. सीमा सिंह की ड्यूटी सशक्त नारी, स्वस्थ परिवार योजना के तहत कक्ष संख्या-48 में लगाई गई है, जहां वह विशेष रूप से महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही हैं। मरीजों की सुविधा के लिए कक्ष संख्या-8 और 9 में चार अन्य फिजिशियन चिकित्सकों की तैनाती की गई है। यदि कोई चिकित्सक निर्धारित समय से पहले ओपीडी बंद करता है या अपनी जिम्मेदारी में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
- डॉ. अनुराधा जैन, जिला सिविल सर्जन

ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी घोटाले में दो और आरोपी किए गिरफ्तार

■ महिला आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा, चंदर प्रकाश पांच दिन के रिमांड पर

सोनीपत। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला तथा चंदर प्रकाश निवासी राजेंद्र नगर, गाजियाबाद शामिल हैं। महिला आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि चंदर प्रकाश को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामला ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड से जुड़ा है। शिकायतकर्ता विपुल निवासी हसनपुर ने आरोप लगाया था कि सोसाइटी ने वर्ष 2016 से हरियाणा सहित कई राज्यों में फिक्स डिपॉजिट और आवर्ती जमा योजनाओं के नाम पर लोगों से निवेश कराया। शुरुआत में निवेशकों को समय पर भुगतान कर उनका विश्वास जीता गया और एजेंटों के माध्यम से बड़ा नेटवर्क खड़ा किया गया। शिकायत के अनुसार वर्ष 2023 के बाद परिपक्व राशि का भुगतान बंद कर दिया गया। सोसाइटी के अधिकारियों ने सिस्टम अपग्रेडेशन का हवाला देकर निवेशकों को गुमराह किया और बाद में संपर्क भी बंद कर दिया। निवेशकों ने उनके केवाईसी दस्तावेजों के दुरुपयोग की आशंका भी जताई है। पुलिस के अनुसार इस मामले में पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब दो और गिरफ्तारी के बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए निवेशकों की राशि और वित्तीय लेनदेन से जुड़े तथ्यों की गहन पड़ताल की जा रही है।

पिस्तौल व कारतूस सहित युवक काबू

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पवन निवासी गांव कवि (कई), जिला पानीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 5 जून को उप निरीक्षक आजाद अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि एक युवक नई अनाज मंडी लहराड़ा के खरखौदा रोड गेट के पास अवैध हथियार लेकर खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे एनओसी लेने पर केस

नियमित कॉलोनियों के प्लॉटों के दस्तावेज लगाकर पोर्टल से हासिल की थी एनओसी

वास्तविक मालिकों के आवेदन के दौरान खुला फर्जीवाड़ा, जांच में सामने आई गड़बड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

नगर परिषद से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के लिए दस्तावेजों में हेरफेर कर अधिकारियों को गुमराह करने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जांच में अनियमित कॉलोनियों के प्लॉटों को नियमित कॉलोनियों का दर्शाकर गलत तरीके से एनओसी हासिल करने का खुलासा हुआ है। नगर परिषद की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बसंत, अंकुश और रवि ने अनियमित कॉलोनियों में खरीदे गए प्लॉटों के लिए नियमित कॉलोनियों में स्थित अन्य प्लॉटों के दस्तावेजों और लोकेशन का इस्तेमाल करते हुए एनडीसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया था। इन दस्तावेजों के आधार पर जून 2024 में नगर परिषद की ओर से एनओसी जारी कर दी गई।

मामले का खुलासा तब हुआ, जब संबंधित नियमित कॉलोनियों के वास्तविक प्लॉट मालिक अपनी संपत्तियों की एनओसी के लिए आवेदन करने पहुंचे। रिकॉर्ड की जांच में दस्तावेजों और वास्तविक संपत्तियों के बीच विसंगतियां सामने आईं। इसके बाद नगर परिषद ने आंतरिक जांच कर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने, उन्हें पोर्टल पर अपलोड करने या सत्यापन प्रक्रिया में किसी अन्य व्यक्ति अथवा कर्मचारी की भूमिका तो नहीं रही। मामले से जुड़े रिकॉर्ड कब्जे में लेकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

■ पुलिस कर रही जांच, अन्य लोगों व कर्मचारियों की संलिप्तता की भी पड़ताल

■ पुलिस नगर परिषद से रिकॉर्ड लेकर जांच आगे बढ़ाएगी, आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे

गुजरात के भावनगर से लापता किशोरी सोनीपत में मिली, युवक हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गुजरात के भावनगर जिले से लापता एक नाबालिग किशोरी को गुजरात पुलिस ने सोनीपत से बरामद कर लिया है। इस मामले में आरोपी युवक देवराज को भी गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई सेक्टर-27 थाना पुलिस और शहर थाना पुलिस के सहयोग से की गई।

फैक्ट्री में काम कर रहा था युवक

जानकारी के अनुसार, भावनगर के महुआ ग्रामीण थाना क्षेत्र में 20 मई को नाबालिग के लापता होने पर परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान गुजरात पुलिस को सूचना मिली कि किशोरी और आरोपी युवक सोनीपत में रह रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम शनिवार को सोनीपत पहुंची। संयुक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बाबा कॉलोनी स्थित जैन बटन फैक्टरी से आरोपी देवराज को काबू कर लिया।

गुजरात पुलिस ने बाबा कॉलोनी से आरोपी काबू, मिशन रोड स्थित मकान से नाबालिग मिली

वहीं मिशन रोड स्थित शिव कॉलोनी के एक मकान से नाबालिग किशोरी को बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार किशोरी आरोपी युवक और उसके परिवार के साथ रह रही थी। बरामदगी के बाद गुजरात पुलिस आरोपी और किशोरी को अपने साथ सेक्टर-27 थाना लेकर पहुंची। मामले में आरोपी के परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आगे की कानूनी कार्रवाई गुजरात पुलिस द्वारा की जाएगी।

नया ट्रक काटकर पुर्जे बेचने के मामले में पांचवां आरोपी काबू

सोनीपत। क्राइम यूनिट सेक्टर-3 ने नए ट्रक को अवैध रूप से काटकर उसके पुर्जे बेचने और बीमा कंपनी से धोखाधड़ी करने की साजिश के मामले में पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सरबजीत पुत्र मंजीत निवासी नरेला, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 3 जून को गांव सबोली स्थित एक कबाड़ गोदाम में छापेमारी के दौरान चार लोगों को गैस कटर से नया ट्रक काटते हुए पकड़ा गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ट्रक को जानबूझकर काटकर उसके पुर्जे बेचे जा रहे थे।

इसके बाद ट्रक को चोरी या अन्य तरीके से गायब दिखाकर बीमा कंपनी से क्लेम लेने की योजना बनाई गई थी। इस मामले में बलराम, रामकृपाल, सारद और जमिल को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच के दौरान पुलिस ने सरबजीत की भूमिका सामने आने पर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान मामले में शामिल अन्य लोगों और वित्तीय लेनदेन से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

सोहटी खेल स्टेडियम में तोड़फोड़, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

■ लाखों रुपये की खेल सामग्री और जिम उपकरणों की सुरक्षा पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

गांव सोहटी स्थित खेल स्टेडियम में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। स्टेडियम के कई दरवाजों और खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए गए, जबकि कुछ दरवाजों को उखाड़ने का भी प्रयास किया गया। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष है और स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। गांव की सरपंच बबीता राणा ने बताया कि स्टेडियम में लाखों रुपये मूल्य के जिम उपकरण और खेल सामग्री रखी हुई है। समय रहते घटना का पता चलने से बड़ा नुकसान टल गया, अन्यथा सामान चोरी होने की आशंका थी। उन्होंने मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

खरखौदा। सोहटी के स्टेडियम का टूटा हुआ दरवाजा

चौकीदार नियुक्त करने की मांग

उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को देकर दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है। सरपंच ने प्रशासन से स्टेडियम परिसर में नियमित पुलिस गश्त शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि अस्थायी रूप से स्टेडियम के एक कमरे का उपयोग पुलिस चौकी के रूप में भी किया जा सकता है, जिससे क्षेत्र में निगरानी बढ़ेगी और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगेगा। समाजसेवी जितेंद्र राणा ने भी गांव में चौकीदार नियुक्त करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि चौकीदार नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं। दोनों ने प्रशासन से स्टेडियम और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

बठिंडा एक्सप्रेस और दिल्ली-अमृतसर इंटरसिटी रद्द, कई ट्रेनें घंटों देरी से पहुंचीं

शाहाबाद मारकंडा और मोहरी स्टेशन पर तकनीकी कार्य के चलते यातायात प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

दिल्ली-अंबाला रेल लाइन पर शाहाबाद मारकंडा एवं मोहरी स्टेशन पर चल रहे नए इंटरलॉकिंग पैनल व अन्य तकनीकी कार्यों के चलते ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ती नजर आई। शनिवार को अप-डाउन दोनों रूट पर बठिंडा एक्सप्रेस व दिल्ली-अमृतसर इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द रही, वहीं चार अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन कर परिचालन किया गया। इसके अलावा कई एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनें अपने निर्धारित समय से करीब 3 घंटे तक की देरी तक सोनीपत स्टेशन पर पहुंची। जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी का सामना करना पड़ा। कुछ यात्री स्टेशन पर ट्रेनों का इंतजार करते नजर आए। बता दें कि उत्तर रेल मंडल की ओर से शाहबाद मारकंडा, मोहरी रेलवे स्टेशनों पर नए इंटरलाकिंग पैनल लगाने व अन्य तकनीकी कार्यों के चलते 6 जून तक कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने के अलावा कई के मार्ग में परिवर्तन कर परिचालन का निर्णय लिया गया था। ऐसे में रेलवे यातायात ब्लॉक के चलते शनिवार को भी दिल्ली-अंबाला रूट पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। दो एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द होने के कारण अन्यों में यात्रियों को भीड़भाड़ के बीच सफर करना पड़ा। वहीं पैसेंजर ट्रेनों में भीड़भाड़ होने के अलावा परिचालन भी घंटों की देरी से हुआ। ऐसे में दैनिक यात्रियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। उत्तर रेल मंडल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि संबंधित तकनीकी कार्य पूरा कर लिए गए हैं।

सोनीपत। स्टेशन पर ट्रेन में सवार होते यात्री।

इन ट्रेनों का देरी से हुआ परिचालन

अपडाउन रूट की ट्रेन संख्या 14679-80 अमृतसर-दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस, 14507-08 बठिंडा एक्सप्रेस रद्द रही। इनके अलावा 15707 आम्रपाली एक्सप्रेस 3 घंटे, 11078 झेलम एक्सप्रेस 2:10 घंटे, 11058 दादर एक्सप्रेस 3 घंटे, 12920 मालवा एक्सप्रेस 2:30 घंटे, 13052 नेताजी एक्सप्रेस 1 घंटा, 64464 पानीपत-नई दिल्ली पैसेंजर 1:30 घंटे, 64462 कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन पैसेंजर 1:10 घंटे, 64454 कुरुक्षेत्र- दिल्ली पैसेंजर 1:50 घंटे, 14217 ऊंचाहार एक्सप्रेस 1:05 घंटे, 64531 दिल्ली-पानीपत पैसेंजर 1:10 घंटे, 64465 नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र पैसेंजर 1:10 घंटे की देरी से सोनीपत पहुंची। वहीं 15708 आम्रपाली एक्सप्रेस, 12926 पश्चिम एक्सप्रेस, 14218 ऊंचाहार एक्सप्रेस का अंबाला, 22430 दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस का लुधियाना जंक्शन से मार्ग परिवर्तन कर परिचालन किया गया।

घर में सोते रहे परिजन लाखों की नकदी और जेवरात समेट ले गए चोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

■ हरसाना गांव में देर रात वारदात, सुबह उठने पर चला चोरी का पता

■ 5.10 लाख रुपये नकद समेत सोने के आभूषण चोरी होने से हड़कंप

■ सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, आरोपियों की तलाश जारी

गांव हरसाना में चोरों ने एक घर में घुसकर लाखों रुपये की नकदी और सोने के आभूषण चोरी कर लिए। वारदात के समय परिवार के सदस्य घर के अंदर सो रहे थे, लेकिन उन्हें घटना की भनक तक नहीं लगी। सुबह उठने पर सामान बिखरा मिला तो चोरी का खुलासा हुआ।

लॉकर में थे गहने

पीड़ित युद्धवीर सिंह ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वीरवार देर रात अज्ञात चोर उनके घर में घुस गए और लॉकर में रखी नकदी व आभूषण चोरी कर ले गए। चोर करीब 5.10 लाख रुपये नकद, सोने की अंगूठी, चेन, हार और कंगन अपने साथ ले गए। शुक्रवार सुबह परिवार के सदस्यों को चोरी की जानकारी मिली। परिजनों ने अपने स्तर पर आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

फीफा वर्ल्ड कप 2026
रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / साशा }

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेंडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

{ कविता / पुरुषोत्तम व्यास }

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

{ लघुकथा / संजीव ठाकुर }

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

{ व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की }

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

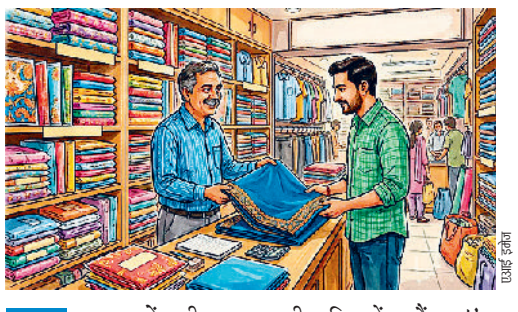

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

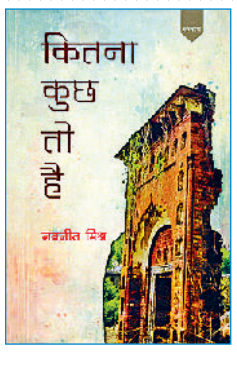

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तकः कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखकः** नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

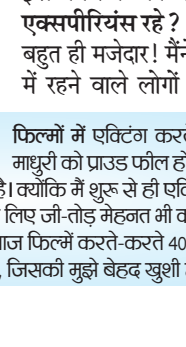

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।